समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 22 September 2026

सुदर्शन रेड्डी ने उपराष्ट्रपति पद के लिए दाखिल किया नामांकन, सोनिया गांधी और शरद पवार समेत INDIA ब्लॉक के दिग्गज नेता रहे मौजूद

Publisher

Published on 21 Aug 2025

देश की राजनीति में एक बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। **INDIA ब्लॉक** (Indian National Developmental Inclusive Alliance) ने उपराष्ट्रपति पद के लिए अपने उम्मीदवार **सुदर्शन रेड्डी** का आधिकारिक नामांकन दाखिल कराया। नामांकन पत्र दाखिल करने के समय कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष **सोनिया गांधी**, एनसीपी प्रमुख **शरद पवार**, कांग्रेस अध्यक्ष **मल्लिकार्जुन खड़गे** समेत कई बड़े नेता मौजूद रहे।

यह नामांकन न केवल विपक्ष की एकजुटता को दर्शाता है, बल्कि आने वाले दिनों में सत्ता और विपक्ष के बीच राजनीतिक टकराव की दिशा भी तय कर सकता है।

नामांकन का माहौल और INDIA ब्लॉक की एकजुटता

संसद भवन परिसर में आज सुबह जब सुदर्शन रेड्डी ने नामांकन पत्र दाखिल किया, उस दौरान विपक्षी दलों के कई वरिष्ठ नेता उनके साथ खड़े दिखाई दिए।

- कांग्रेस से सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे मौजूद रहे।
- शरद पवार (NCP), तेजस्वी यादव (RJD), अखिलेश यादव (SP), और डी. राजा (CPI) जैसे नेता भी इस मौके पर पहुंचे।
- यह एकजुटता संदेश देती है कि INDIA ब्लॉक ने उपराष्ट्रपति चुनाव को अपनी राजनीतिक एकता दिखाने का अवसर बनाया है।

सुदर्शन रेड्डी कौन है ?

सुदर्शन रेड्डी का नाम विपक्ष के उम्मीदवार के तौर पर भले ही चौंकाने वाला हो, लेकिन वे एक अनुभवी नेता और संविधान विशेषज्ञ के रूप में लंबे समय से सक्रिय रहे हैं।

- वे कई बार राज्यसभा में अहम बहस का हिस्सा रहे हैं।
- सामाजिक न्याय और किसान हितों के मुद्दों पर उन्होंने संसद और जनसत्ता दोनों स्तरों पर अपनी मजबूत पहचान बनाई है।
- विपक्ष उन्हें एक ऐसे चेहरे के रूप में पेश करना चाहता है जो सत्ता के खिलाफ “संवैधानिक मूल्यों की रक्षा” की गारंटी दे सके।

सत्ता पक्ष बनाम विपक्ष: चुनावी समीकरण

वर्तमान सरकार के पास संसद में स्पष्ट बहुमत है और माना जा रहा है कि उपराष्ट्रपति चुनाव में NDA उम्मीदवार की जीत तय है। लेकिन INDIA ब्लॉक के लिए यह चुनाव जीतना ही मकसद नहीं है।
बल्कि उनका मुख्य उद्देश्य है:

- विपक्षी एकजुटता का प्रदर्शन।
- जनता और संसद दोनों को यह संदेश देना कि विपक्ष अब मजबूत और सक्रिय भूमिका निभाने के लिए तैयार है।
- संसद में सत्ता के दबदबे के खिलाफ एक वैकल्पिक राजनीतिक विमर्श खड़ा करना।

सोनिया गांधी और शरद पवार का संदेश

नामांकन के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए सोनिया गांधी ने कहा,
"यह सिर्फ एक चुनाव नहीं है, बल्कि लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई है।"
वहीं, शरद पवार ने कहा कि सुदर्शन रेड्डी का नाम विपक्ष की सामूहिक सहमति से तय हुआ है और वे इस पद के लिए सबसे उपयुक्त उम्मीदवार हैं।

इन बयानों ने साफ कर दिया कि INDIA ब्लॉक इस चुनाव को प्रतीकात्मक रूप से ही सही, लेकिन लोकतंत्र की मजबूती की लड़ाई के तौर पर पेश करना चाहता है।

विशेषज्ञों की राय

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि:

- **संसदीय राजनीति मे विपक्ष की भूमिका को जीवंत करने के लिए यह चुनाव अहम है।**
- भले ही NDA उम्मीदवार को जीत मिल जाए, लेकिन INDIA ब्लॉक की एकता का संदेश जनता तक पहुंचेगा।
- यह भी संभावना है कि इस चुनाव को विपक्ष 2029 के लोकसभा चुनाव की दिशा में "ट्रेलर" के रूप में इस्तेमाल करेगा।

जनता और राजनीतिक हलचल

सोशल मीडिया पर भी इस नामांकन को लेकर चर्चा तेज है। विपक्षी समर्थक इसे "लोकतंत्र की मजबूती की पहल" बता रहे हैं, वहीं सत्ता समर्थक इसे "निरर्थक राजनीतिक प्रदर्शन" कह रहे हैं।
जनता के बीच यह बहस भी चल रही है कि क्या विपक्ष वास्तव में एकजुट रह पाएगा या फिर चुनावों से पहले ही अंदरूनी मतभेद उभर आएंगे।

निष्कर्ष: उपराष्ट्रपति चुनाव से ज्यादा राजनीतिक संदेश

सुदर्शन रेड्डी का नामांकन और INDIA ब्लॉक का यह प्रदर्शन यह दिखाता है कि विपक्ष अब सिर्फ दर्शक नहीं, बल्कि **सत्ता के मुकाबले गंभीर चुनौती** पेश करने की कोशिश कर रहा है।
चुनाव का नतीजा भले ही सत्ता पक्ष के पक्ष में ही क्यों न जाए, लेकिन विपक्ष की यह एकजुटता आगामी राजनीति में दूरगामी असर डाल सकती है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.